AMAR UJALA MY CITY PAGE 5 & 6

अभिनवगुप्त संस्थान में पीएचडी के साथ पीजी कोर्स में भी होंगे दाखिले

संस्थान के भवन निर्माण के लिए 2.96 करोड़ रुपये के साथ ही आठ पद भी हुए हैं स्वीकृत

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनवगुप्त संस्थान में इसी सत्र से पाठ्यक्रमों की शुरुआत हो जाएगी। इनमें पीएचडी तो होगी ही, साथ ही परास्नातक स्तर के दो पाठ्यक्रम भी होंगे। इस बात पर मंथन चल रहा है कि पीएचडी के अलावा दोनों पाठ्यक्रम डिग्री हों या फिर एक डिप्लोमा और डिग्री रखा जाए। लविवि को तीन साल पहले प्रदेश सरकार से संस्थान के लिए अनुदान मिला था पर अभी तक इसके दाखिले शुरू नहीं हुए थे। लविवि की आवेदन प्रक्रिया नौ मार्च से शुरू होगी। इसमें संस्थान के पाठ्यक्रम भी शामिल किए जा रहे हैं।

लविवि को अभिनवगुप्त संस्थान के लिए नये भवन निर्माण के लिए 2.96 करोड़ रुपये के साथ ही आठ पद भी स्वीकृत हुए हैं। इनमें एक पद प्रोफेसर-निदेशक का, दो पद असिस्टेंट प्रोफेसर के, एक पद रिसर्च फेलो, दो पद कर्मचारी, एक पद मल्टीटास्किंग और एक पद सफाई कर्मचारी का है। शोधपीठ में पुरोहित, तंत्र, संस्कृत साहित्य, कला और संगीत पर आधारित पाठ्यक्रमों का संचालन होना है। तंत्र, संस्कृत साहित्य, कला और संगीत के प्रकांड विद्वान अभिनवगुप्त के कार्यों तथा उनके द्वारा लिखे गए ग्रंथों पर शोध कार्य भी इस संस्थान के माध्यम से होंगे।

अन्य शोधपीठ में अब भी बनाई जा रही है योजना

अभिनवगुप्त संस्थान में पाठ्यक्रम संचालन को हरी झंडी मिल चुकी है, वहीं अन्य शोधपीठ को लेकर अभी भी योजना ही बनाई जा रही है। विवि को पिछले चार साल में छह शोधपीठ के लिए 13 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। ये शोधपीठ लोहिया, दीनदयाल उपाध्याय, भाऊराव देवरस, अटल बिहारी वाजपेयी, महात्मा गांधी और अभिनवगुप्त जैसे महापुरुषों के नाम पर हैं। प्रदेश सरकार से अभिनव गुप्त संस्थान के लिए तीन करोड़ रुपये तथा बाकी के लिए दो-दो करोड़ रुपये मिले हैं। इनका बजट मिले हुए भी काफी समय बीत चुका है, लेकिन इन शोधपीठ में शोध के लिए कोई विशेष गतिविधि शुरू नहीं हुई है।

विभागों ने भेजी पीएचडी सीट की संख्या

लविवि में पीएचडी दाखिले के लिए सीट संख्या देने की अंतिम तारीख बृहस्पतिवार को समाप्त हो गई। कुछ विभागों को छोड़कर बाकी ने अपनी सीट संख्या भेज दी है। प्रवेश टीम के अनुसार अभी तक सीट कंपाइल नहीं हुई हैं। शनिवार को यह काम किया जाएगा।

"अभिनवगुप्त संस्थान के माध्यम से इस साल पीएचडी के साथ ही अन्य पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। इससे अभिनवगुप्त जैसी शख्सियत तथा उनके कामों पर शोध हो सकेगा। लविवि के आवेदन फॉर्म में इनको शामिल किया जा रहा है।
- प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

लविवि : मेधावियों को विभागवार मिलेंगे मेडल

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पदक विजेताओं का इंतजार खत्म होने को है। परीक्षा विभाग ने सभी विभागों को उनके यहां के पदक भेज दिए हैं। इसके साथ ही यह निर्देश दिया है कि विभागाध्यक्ष अपने स्तर से इसके लिए कार्यक्रम तय करके पदक वितरित कर दें। लविवि में 21 नवंबर 2020 को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया था। दीक्षांत समारोह में कम भीड़ हो इसलिए केवल 15 पदक ही वितरित किए गये थे। बाकी बचे हुए करीब 180 पदक अब विभागवार बांटे जाएंगे।

लविवि का दीक्षांत समारोह इस साल स्थापना दिवस समारोह के दौरान ही आयोजित किया गया था। हर साल दीक्षांत समारोह में ही सभी पदक वितरित किए जाते हैं। इस साल कोरोना संक्रमण की वजह से समारोह में ज्यादा भीड़ नहीं हो सकती थी, इसलिए मुख्य समारोह में सिर्फ 15 मेधावियों को ही पदक दिए गए। इसके बाद परीक्षा नियंत्रक प्रो.आनंद मुरारी सक्सेना की ओर से सभी विभागों को पदक भेज दिए गए हैं। पदक विभागाध्यक्षों को समारोह आयोजित करके वितरित करने हैं।

कोरोना संक्रमण की वजह से दीक्षांत समारोह में दिए गए थे सिर्फ 15 पदक

विधि संकाय से होगी शुरुआत

लविवि में विधि संकाय से पदक वितरण की शुरुआत होगी। ज्यूरिस हॉल में होने वाले कार्यक्रम में जस्टिस केजे ठक्कर और डॉ. जस्टिस राजेश सिंह चौहान तथा जस्टिस शमीम अहमद की उपस्थिति में पदक वितरित किए जाएंगे। इसमें 13 मेधावियों को कुल 25 पदक दिए जाने हैं।

प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास से जीता दिल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से आयोजित तीन दिवसीय केके श्रीवास्तव मेमोरियल इंटर सेमेस्टर मूट कोर्ट प्रतियोगिता के दूसरे दिन प्रतिभागियों का उत्साह एवं जोश देखते बना। प्रतिभागियों ने अपनी तर्क शक्ति एवं आत्मविश्वास से सभी का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता में 42 टीम शामिल हुईं। हर टीम से दो वक्ता और एक रिसर्चर मौजूद रहे। वक्ताओं को निर्धारित समय-सीमा में अपना पक्ष पूर्णतः सिद्ध करने का मौका दिया गया। फाइनल राउंड के निर्णायक मंडल में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति केजे ठक्कर, न्यायमूर्ति राजेश चौहान एवं न्यायमूर्ति शमीम अहमद मौजूद रहेंगे।

परिसर आकर ताजा हुईं छात्र जीवन की यादें : डॉ. शर्मा

लखनऊ विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र पुनर्मिलन समारोह में पहुंचे उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, जनक दुलारी सहित तीन को किया सम्मानित

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का कला प्रांगण शनिवार को पूर्व छात्र-छात्राओं से गुलजार हो उठा। जो छात्रनेता कभी एक-दूसरे के धुर विरोधी माने जाते थे, वो भी आपस में गलबहियां करते नजर आए। कई दिलों की परिसर में बरसों पहले पूरी हुई इच्छाओं ने संतुष्टि का भाव भरा तो न जाने कितने दिलों में अधूरी हसरतों की टीस एक बार फिर ताजा हो उठी। कला प्रांगण में जमा हुए कई पूर्व छात्रों की उम्र भले ही 60 साल के पार थी, पर उनका जोश और उमंग ठीक वैसा था जैसा पहली बार परिसर में प्रवेश के समय था।

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पूर्व छात्र पुनर्मिलन समारोह में उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और लखनऊ विश्वविद्यालय के एलुमनी एसोसिएशन की निदेशक प्रो. निशी पांडे, डीन एकेडमिक्स और सांस्कृतिकी के निदेशक प्रो. राकेश चंद्र ने उनका स्वागत किया। प्रो. दिनेश शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने अपने भाषण में अपने छात्र जीवन की यादें ताजा कीं। साथ ही कैंटीन में बातचीत, चुनाव अभियानों के दौरान हंसी-मजाक और अपने छात्र जीवन के दौरान की गई मित्रता को याद किया। पूर्व छात्र प्रमोद तिवारी, दयाशंकर सिंह, मुकेश शुक्ला, अनिल सिंह 'वीरू', शराफ अब्बास, पवन उपाध्याय, ज्ञानेंद्र शुक्ला 'ज्ञानू' द्वारा आयोजित पूर्व छात्रों की बैठक में तीन विशेष लोगों को सम्मानित किया गया। इनमें समाज कार्य विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एएन सिंह को जीवन भर छात्रों के समग्र विकास में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जनक दुलारी, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बसंती चाची के नाम से जाना जाता है, को इस आयोजन के दौरान विश्वविद्यालय में उनकी जीवन भर की सेवा और छात्रों से प्यार के लिए सम्मानित किया गया। बसंती चाची की एलबीएस हॉल के सामने कैंटीन थी। डीके पंत को भी विश्वविद्यालय में उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाना था, लेकिन व्यक्तिगत कारणों से उपस्थित नहीं थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के वर्तमान छात्रों ने गीतों, नृत्यों, कविता और गायन की सुंदर प्रस्तुतियों के साथ एक सांस्कृतिक संध्या प्रस्तुत की और पूर्व छात्र अखंड शाही और उनकी टीम ने विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित अतीत का सम्मान करते हुए और एक शानदार भविष्य की उम्मीद करते हुए बनाई गई एक विशेष वृत्तचित्र जारी किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को आयोजित पूर्व छात्र पुनर्मिलन समारोह का दीप प्रज्वलित करते उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा। इस मौके पर गायन की प्रस्तुतियां भी हुईं।

चाचा जी अब रहने दो.....

समारोह के दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने छात्रसंघ चुनाव और उसके दिलचस्प नारों की यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि किस तरह एक बार एक 40 साल का छात्र चुनाव लड़ने आ गया। इस पर नारा दिया गया कि चाचाजी अब रहने दो, आम छात्र को लड़ने दो...।

उठी छात्रसंघ बहाल करने की मांग

कार्यक्रम के दौरान आशीष मिश्रा बॉक्सर तथा समाजवादी छात्रसभा के विद्यार्थियों ने छात्रसंघ बहाल करो के नारे लगाए। उनकी मांग थी कि परिसर में जब शिक्षक और कर्मचारी संघ के चुनाव हो रहे हैं फिर छात्रसंघ पर ही रोक क्यों लगी है।

HINDUSTAN PAGE 7

पुराने दोस्तों से मिल यादें हुईं ताजा

कला संकाय

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय में शनिवार को प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों का भव्य पुनर्मिलन समारोह हुआ। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय और एलयू एल्मनाय एसोसिएशन के निदेशक प्रो.निशी पांडे, डीन एकेडमिक और सांस्कृतिकी के निदेशक प्रो राकेश चंद्र ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री प्रो दिनेश शर्मा का स्वागत किया। प्रो दिनेश शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित किया।

उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए अपने छात्र जीवन की यादें ताजा कीं। उन्होंने कैंटीन में बातचीत, चुनाव अभियानों के दौरान हंसी मजाक और अपने छात्र जीवन के दौरान की गई मित्रता को याद किया।

इस अवसर पर एलयू परिवार के कुछ सदस्यों को सम्मानित भी किया गया। समाज कार्य विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो एएन सिंह को जीवन भर छात्रों के समग्र विकास में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जनक दुलारी जिन्हें बसंती चाची के नाम से जाना जाता है को उनकी जीवन भर की सेवा और छात्रों से प्यार के लिए सम्मानित किया गया। चाची की एलबीएस हॉल के सामने कैंटीन थी। डीके पंत को भी सम्मानित भी किया जाना था लेकिन वह उपस्थित नहीं थे। विश्वविद्यालय के वर्तमान छात्रों ने गीतों, नृत्यों, कविता और गायन की सुंदर प्रस्तुतियों के साथ एक सांस्कृतिक संध्या प्रस्तुत की।

पूर्व छात्र अखंड शाही और उनकी टीम ने विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित अतीत का सम्मान करते हुए और एक शानदार भविष्य की उम्मीद करते हुए बनाया गया एक विशेष वृत्तचित्र भी जारी किया।

एलयू में शनिवार को प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों का भव्य पुनर्मिलन समारोह हुआ, उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा इसमें मुख्य अतिथि रहे।

i-NEXT PAGE 5

अवध की शाम में ताजा हुईं पुरानी यादें

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

लविवि आर्ट्स फैकेल्टी की एल्युमिनाई मीट में डिप्टी सीएम से लेकर नेता और अधिकारियों से साझा किए संस्मरण

खुले आसमान के नीचे अपने राजनैतिक दलों को भूलकर लगे एक-दूसरे के गले और लगाए ठहाके

LUCKNOW (27 Feb): कंडे की धीमी आग में भुनती बाटी और कड़ाही में भुनते मसाले की खुशबू के बीच माहौल में कुछ तैर रहा था तो सिर्फ मीठी यादें. खुले आसमान के नीचे उन्मुक्त ठहाकों से दो-चार हो रही लखनऊ विश्वविद्यालय की दीवारें भी उन लम्हों में वापस जाना चाह रही थीं, जिन्हें पूर्व छात्र अपने शब्दों में ढालकर बयां कर रहे थे. शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की आर्ट्स फैकेल्टी की एल्युमिनाई मीट थी. कटिंग चाय, बसंती के समोसे, सहपाठी की ठिठोली, राजनीति के दावपेंच और गंजिंग की नैनसुख प्राप्ति के किस्सों की किताब जब खुली तो यादों के पन्ने खूब फड़फड़ाए. लविवि के आंगन से निकलकर कामयाबी के आसमान पर चमकने वाले ये सितारे सिर्फ पूर्व छात्र थे. ठहाकों की महफिल में मंत्री, अफसर और वीआइपी का प्रोटोकाल अपनी जगह नहीं बना पा रहा था.

पलटे गए यादों के पन्ने

किस्सों की किताब खुली तो पहला पन्ना डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने पलटा. बताया कि जमशेद की चाय की दुकान पर पूर्व छात्रनेता सरोज तिवारी, मनोज तिवारी समेत अन्य साथी यह इंतजार करते रहते थे कि आज चाय कौन पिलाए. जैसे ही मैं पहुंचता सब मुझ पर टूट पड़ते और छूटते ही बोलते चाय आज डाक्टर पिलाएंगे. मैं भी चालाकी से बोलता, जमशेद चाय जरा अच्छी वाली पिलाना. जमशेद समझ जाता और कुछ देर बाद कटिंग चाय सबको देता. सबके मुंह तो बनते पर बिना मना किए पी जाते थे.

न्यूज कवरेज के लिए ये आइडिया

डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि उन्होंने छात्र मतदाता मंच बनाया था. मंच के तहत एक हफ्ते तक लगातार कार्यक्रम चला. संतोष तिवारी प्रेस नोट लेकर छपवाने के लिए अखबार के दफ्तरों में जाते थे. रोजाना प्रेस नोट भेजा जाता पर जितने दिन कार्यक्रम चला एक-दो दिन ही दो-चार लाइन का कवरेज मिला. इस पर सरोज तिवारी और मनोज तिवारी ने कहा कि हम बताते हैं कैसे कवरेज मिलेगा. अगले दिन विवि में कुछ विवाद हुआ. इसके बाद ये लोग कुलपति आवास के सामने पहुंचे और बसों पर दो पत्थर मार दिए. इसके बाद फोटो समेत अगले दिन समाचारपत्रों में छपे. यह सब छात्र जीवन की यादें थीं, जो अब सोचने मात्र से ही चेहरे पर एक छोटी सी मुस्कान दे जाती हैं.

● दीप प्रज्जवलन से शुरू हुआ प्रोग्राम.

● स्टूडेंट्स ने बांधा समा.

बसंती चाची के समोसे और पकौड़े

एक टेबल पर बैठे वरिष्ठ पत्रकार सुरेश बहादुर सिंह, प्रेमकांत तिवारी व संजय सिंह, शिव सरन, डा. सुनील तिवारी व अन्य लोग यहां बसंती चाची के समोसे और पकौड़े की चर्चा कर रहे थे. सुरेश बहादुर ने कहा कि बसंती चाची के समोसे और पकौड़े तो बहुत टेस्टी रहते थे पर चटनी बहुत कड़वी रहती थी.

प्रांगण में मिली तो हाथ पकड़कर झूम उठीं

बेसिक शिक्षा विभाग की अपर शिक्षा निदेशक ललिता प्रदीप, भाजपा से श्वेता सिंह और अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री करीब 20 साल बाद विवि के प्रांगण में एक साथ मिलीं तो एक दूसरे का हाथ पकड़कर झूम उठीं. सभी अपनी पढ़ाई के समय को याद कर खूब ठहाके लगा रही थीं.

दल अलग, दिल एक

एल्युमिनाई मीट में बरसों बाद मिले सहपाठी आज बदले रूप में थे. कांग्रेस के रमेश श्रीवास्तव को देखकर सपा के एमएलसी अरविंद सिंह के चेहरे पर मुस्कराहट थी तो भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर भी सबसे लपककर मिल रहे थे. श्वेता सिंह, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष मनोज तिवारी, अनिल सिंह वीरू, पूर्व मंत्री रविदास मेहरोत्रा, वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेंद्र शुक्ला की महफिल भी पुरानी बातों से गुलजार थी. विवि से पढ़े उन्नाव में तैनात एडीजे संतोष कुमार यादव एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी और पूर्व छात्र एक दूसरे से खुले आसमान के नीचे गले लगकर ठहाके लगा रहे थे.वर्तमान छात्रों द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया. इस दौरान कुलपति आलोक कुमार राय ने सभी को बधाई थी. इसके अलावा प्रो. निशी पांडेय, प्रो. नीरज जैन और प्रवक्ता दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव व अन्य लोग मौजूद रहे.

NBT PAGE 5

चाची की चाय, चुनावी चर्चा... सब एक से बढ़कर एक

एलयू में अल्मनाई मीट में पूर्व छात्रों ने साझा किए किस्से

■ **एनबीटी, लखनऊ:** वसंती चाची की फ्री की चाय, छात्रसंघ भवन की चुनावी चर्चा और लाल वहादुर शास्त्री छात्रावास के किस्से, सव एक से वढ़कर एक। हर कोई अपनी स्टोरी सुनाने को वेताव था। मौके था आर्ट्स कॉलेज में शनिवार शाम को आयोजित अल्मनाई मीट का। कार्यक्रम के दौरान वरसों से विछड़े दोस्तों को देख किसी की आखें भर आईं, तो कइयों ने अपने दोस्तों को वाहों में जकड़ लिया। शायराना अंदाज में दोस्तों का खैर मखदम किया। फिर संग-संग कुछ लम्हे गुजारने का वादा भी किया। नाचे और सेल्फी भी ली। चुटकुले और लतीफे सुनाए गए।

एलयू के छात्र रहे और उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने अपनी यादें ताजा कर मजाकिया अंदाज में किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि छात्र आंदोलन के दौरान वह वस पर चढ़ गए कि फोटो खिंचेगी, लेकिन छात्रों ने वस तोड़ दी और सारा मामला धरा का धरा रह गया। छात्र गुटों में विरोधाभास रहता था, लेकिन जव हम एक टेवल पर वैठते तो एकदम यारों की तरह रहते। इसे वेहतरीन छात्र राजनीति कहते हैं।

एलवीएस हॉस्टल में सन 1980 से 86 के वैच में कैमिस्ट्री व गणित से स्नातक करने वाले जितेंद्र वहादुर सिंह पीडव्ल्यूडी में कार्यरत हैं। वह वताते हैं कि 15 साल पहले एलवीएस के चंद छात्रों के साथ एलुमनाई मीट का पौधा लगाया था, जिसे साथियों ने आज सींचकर एक वृक्ष वना दिया है। एपी सेन कॉलेज में असोसिएट प्रो. मंजुला उपाध्याय वताती हैं कि इसी एलयू कैंपस में पढ़ाई के दौरान उनके सहपाठी हेमंत कुमार उपाध्याय से लगाव हुआ। हमने पढ़ाई में कोई कंप्रोमाइज नहीं किया और अंत में शादी हुई। आज इनके दो वच्चे हैं। नेशनल पीजी कॉलेज की शिक्षिका डॉ. नेहा श्रीवास्तव ने कॉन्वोकेशन में साल 2009 में तीन गोल्ड जीते थे। 2006 से 10 तक कैलाश छात्रावास में छात्राओं की अध्यक्ष रहीं। आज जव वह पुराने साथियों से मिलीं तो उनकी यादें भी ताजा कीं।

इसी तरह अल्का धूपर, हरप्रीत कौर, डॉ.अनीता वाजपेयी के अलावा डॉ. नीरज जैन ने छात्र दिनों के खूव किस्से सुनाए। इस समारोह के आयोजन में एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, प्रो. निशी पांडेय के साथ ही पूर्व छात्र प्रमोद तिवारी, दयाशंकर सिंह, मुकेश शुक्ला, अनिल सिंह 'वीरू', शराफ अव्वास, पवन उपाध्याय, ज्ञानेंद्र शुक्ला 'ज्ञानू' मुख्य रूप से शामिल रहे। इस दौरान कई राजनीतिक हस्तियों के अलावा पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व महामंत्री भी मौजूद रहे।

आर्ट्स कॉलेज में हुए कार्यक्रम में पहुंचे उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, जुटे छात्र।

बसंती चाची का सम्मान

जनक दुलारी बसंती चाची को एलयू में उनकी जीवनभर की सेवा और छात्रों से प्यार के लिए सम्मानित किया गया। चाची एलबीएस हॉल के सामने कैंटीन चलाती थीं। पूर्व छात्र रहे जो आज बड़ी शख्सियत बन गए हैं, उन्होंने चाची की तारीफों में खूब कसीदे पढ़े।

JAGRAN CITY PAGE III

लविवि आर्ट्स फैकेल्टी की एल्युमिनाई मीट में डिप्टी सीएम से लेकर नेता और अफसरों ने साझा किए संस्मरण, लगे गले और लगाए ठहाके

बाटी की महक में घुलीं चोखी यादें

20 साल बाद मिली तो हाथ पकड़कर झूम उठीं

42 टीमों ने किया प्रतिभाग आठ क्वार्टर फाइनल में

पद्मश्री प्रो. अशोक चक्रधर को डी-लिट की उपाधि

अवार्ड के लिए लविवि के तीन विद्यार्थियों का चयन

LU's Basanti Chachi felicitated for 'free' tea servings & love

Manoj Chhabra

Deputy chief minister Dinesh Sharma, bureaucrats, teachers and others at alumni meet. (R) Basanti Chachi being feted

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: It turned out to be a red-letter day for Basanti Chachi, the tea vendor who got love and recognition at Lucknow University's Alumni meet on Saturday. Janak Dulari Alias Basanti Chachi was felicitated by former students who shared that she served them tea even when they didn't have any money.

Basanti Chachi ki chai, Chhatrasangh Bhawan ki chunavi charcha, Lal Bahadur Shastri hostel *ke kisse*, were among the memories the former students relived once again.

Deputy chief minister Dinesh Sharma, some bureaucrats and teachers joined in the alumni meet.

Basanti Chachi turned emotional when students said they cherish her love.

"I still remember her 'thela' near Lal Bahadur Shastri hostel, and how she smiled when students didn't have money and said, "*Jab naukri pa jana tab de dena*," said PK Singh, who runs an NGO.

She has been serving students for the last 40 years, he added.

"We fought elections against each other but, no rivalry or hard feeling could be seen when we sat together," said Dy CM, and recalled how to get a photograph published in a newspaper he once climbed atop a bus to pose during a protest. "I didn't realize when two hours flew by chatting with friends about our hostel days, the famous samosa at gate and the tea party at IT chauraha after samosa break," said public works department secretary J B Singh, who did his MSC in 1982.

TOI PAGE 2

Two LU profs, KGMU surgeon bag coveted awards for work in Hindi

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Two Lucknow University professors and a faculty member from KGMU have been selected for coveted awards by the Uttar Pradesh Hindi Sansthan for their contribution to promotion of Hindi.

Prof Vinod Jain, a surgeon and dean of paramedical sciences at KGMU, has been awarded 'Vigyan Bhushan' for his books on medical and health in Hindi. The award includes a citation and cash prize of Rs 2 lakh.

Prof Pawan Agarwal of LU's Hindi department has been awarded with Madan Mohan Malviya Vishwavidyalaya Stariya Samman for his contribution to teaching and publication in Hindi. The award carries Rs 1 lakh cash prize and a citation.

Head of Mass Communication and Journalism at Lucknow University, Prof Mukul Srivastava, has bagged Nirmal Verma Puruskar in travelogue category for his book 'Laut ke batata hoon'. The award carries Rs 40,000 cash prize and a citation.

Prof Jain has written 11 books on health issues starting with 'Gurde Ki Pathri' in 2009 to the most recent 'Trauma Bachao, Upchar Evam Prabandhan'. Earlier in 2013, he was awarded Dr Birbal Sahni Award by Hindi Sansthan.

"Writing on medical issues in Hindi is the need of the hour so that most people, including students, can easily understand it. It is the best language to convey message to the masses. Appreciations in the form of awards motivate recipients to work and write more," Dr Jain said.

"I am happy that my efforts to popularise Hindi at the university level and in the society have been recognized. The credit goes to the university and my mentor Prof SP Dixit," said Prof Agarwal.

Prof Pawan Agarwal, Prof Mukul Srivastava, Vinod Jain

RASHTRIYA SAHARA PAGE 7

पहले झगड़े-तकरार में था प्यार व मजा

लविवि पुरातन छात्र सम्मेलन में ताजा हुईं यादें

लखनऊ (एसएनबी)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि जव वह लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र हुआ करते थे, तव आपस में जो झगड़े होते थे उनमें भी प्यार होता था और तकरार में भी वहुत मजा आता था, जो वीते दिनों की वातें हो गई हैं। उन्होंने पुरानी यादों में खोते हुए वताया कि किस प्रकार से आजमगढ़ का जव गुट चलता था तो उसको कितना रस लेकर हम लोग कमेंट करते थे। यही नहीं कई वार जव सीनियर छात्रों ने चुनाव लड़ना वंद नहीं किया तो नारे तक देना पड़ गया- चाचा जी तुम रहने दो, आम छात्र को लड़ने दो। यह वातें शनिवार की शाम उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने लविवि में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन के दौरान कहीं।

प्रो. दिनेश शर्मा ने दीप जलाकर किया और समारोह में उपस्थित श्रोताओं को संवोधित करते हुए अपने छात्र जीवन की याद ताजा की। विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक आर्ट्स ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में लविवि के कुलपति प्रो. आलोक राय तथा कार्यक्रम की प्रमुख संयोजक प्रोफेसर डा. निशा पांडे मौजूद थीं। कार्यक्रम को संवोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता दयाशंकर सिंह ने कहा कि वह समय और था जव भाईचारा ज्यादा था। चुनाव के वाद आपस में मनमुटाव नहीं हुआ करते थे। इस अवसर पर विधायक शैलेंद्र सिंह शैलू, पूर्व छात्र नेता चेत नारायण सिंह, शैलेंद्र शर्मा 'अटल', छात्र नेता पूजा शुक्ला, आशीष मिश्रा 'वॉक्सर', तरुण कांत त्रिपाठी, अनिल सिंह, मनोज तिवारी समेत ढाई सौ से अधिक वरिष्ठ छात्र नेता मौजूद थे, जवकि 3000 से अधिक पूर्व छात्र कार्यक्रम में पहुंचे थे। पूर्व छात्र प्रमोद तिवारी, दयाशंकर सिंह, मुकेश शुक्ला, अनिल सिंह 'वीरू', पवन उपाध्याय, ज्ञानेंद्र शुक्ला 'ज्ञानू' द्वारा आयोजित कार्यक्रम में तीन वहुत ही खास लोगों को सम्मानित भी किया। समाज कार्य विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. ए.एन. सिंह को जीवन भर छात्रों के समग्र विकास में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जनक दुलारी, जिन्हें लोकप्रिय रूप से वसंती चाची के नाम से जाना जाता है, उनको इस आयोजन के दौरान विश्वविद्यालय में उनकी जीवन भर की सेवा और छात्रों से प्यार के लिए सम्मानित किया गया। डी.के. पंत को विश्वविद्यालय में उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाना था, लेकिन व्यक्तिगत कारणों से वह उपस्थित नहीं थे।

इस दौरान विश्वविद्यालय के वर्तमान छात्रों ने गीतों, नृत्यों, कविता और गायन की सुंदर प्रस्तुतियों के साथ एक सांस्कृतिक संध्या प्रस्तुत की और पूर्व छात्र अखंड शाही और उनकी टीम ने अतीत का सम्मान करते हुए शानदार भविष्य की उम्मीद करते हुए वनाई गई एक विशेष वृत्तचित्र जारी किया।

लविवि में पुरातन छात्र सम्मेलन का दीप जलाकर उद्घाटन करते उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा।